आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–11 नवम्बर 2025 **सान्ध्य समाचार**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में लालकिले के पास हुए कार विस्फोट के मामले में कहा है कि इस भयावह घटना के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा और इसके जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। भूटान के थिम्पू में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कहा–

दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी के मन को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों का दुरूख समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रातभर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ, सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ, संपर्क में था। विचार–विमर्श चलता था जानकारी के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएगी इसके पीछे के षड्यंत्रकार्यों को बख्शा नहीं जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने कार विस्फोट के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए आज एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, दिल्ली पुलिस आयुक्त और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण–एनआईए के महानिदेशक उपस्थित थे।

बम धमाके के बाद प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। काशी के विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में श्रीराम मंदिर, मथुरा में बांके बिहारी मंदिर, मिर्जापुर के विन्ध्यवासिनी मंदिर और गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है।

****

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की एक सौ पचासवीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में बारांबकी जिले में आज आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्रह सौ चौंतीस करोड़ रूपये की लागत वाली दो सौ चौवन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न लोक–कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं प्रमाण–पत्र भी दिये।

****

देश राष्ट्र–गीत वंदे मातरम की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मना रहा है। इस गीत ने भारतीयों की कई पीढ़ियों को एकजुट रहने और राष्ट्रीय भावना पर गर्व करने के लिए प्रेरित किया। एक रिपोर्ट...

15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्रता के लिए जागा, तो प्रख्यात हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने संसद में आधी रात को वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया। सरदार वल्लभभाई पटेल के कहने पर, उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति नव स्वतंत्र भारत की पहली संगीतमय धड़कन बनी। प्रस्तुति को रिकॉर्ड किया गया और अगली सुबह 6:30 बजे आकाशवाणी से प्रसारित किया गया। दशकों के दौरान, वंदे मातरम को नई आवाजें, नई अभिव्यक्तियाँ, नई भावनाएँ मिलीं। भारत रत्न एमएस सुब्बुलक्ष्मी और प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार दिलीप कुमार रॉय ने वंदे मातरम को अपनी मधुर आवाज दी। 1997 में स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, संयुक्त संसदीय सत्र के दौरान, पंडित जसराज ने भी अपनी ओजस्वी और भक्तिमय वाणी से इस प्रतिष्ठित गीत को प्रस्तुत किया। शिवांग और सौम्या की रिपोर्ट के साथ, समाचार कक्ष से शक्ति सिंह।

****

काशी तमिल संगमम दो हजार पचीस का आयोजन दो से पन्द्रह दिसंबर तक होगा'। संगमम का आरम्भ काशी से होगा तथा समापन रामेश्वरम में होगा। इस बार का संगमम **चलो तमिल सीखें–करपोम तमिल** की थीम पर आधारित है, जिसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं की एकता को बढ़ावा देना और तमिल भाषा के ज्ञान को देश के अन्य हिस्सों में फैलाना है। संगमम में चौदह सौ से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जीएसटी दर घटाने के बाद, 22 सितम्बर को शुरू हुए जीएसटी बचत उत्सव से देशभर के नागरिकों को लाभ हो रहा है। एक रिपोर्ट....

संशोधित कर ढांचे के अंतर्गत एयरकंडीशनर, डिशवॉशर और टेलिविजन पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को किफायती दामों पर उत्पाद उपलब्ध कराने के साथ–साथ देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल रहा है। इसी प्रकार मॉनिटर और प्रोजेक्टर पर टैक्स 18 प्रतिशत कर दिया गया है जिससे शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों और डिजिटल शिक्षण केन्द्रों की लागत कम हुई है। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों, सौर पैनलों पर भी कर 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। यह निर्णय लोगों को किफायती, स्वच्छ और सतत् ऊर्जा पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आदर्श के साथ अमन यादव, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली ।

****

बौद्ध धर्म के दिवंगत प्रमुख धर्म गुरु अग्गमहापण्डित भदन्त एबी ज्ञानेश्वर महास्थवीर का आज कुशीनगर के म्यांमार बौद्ध विहार में पूरे विधि विधान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस अवसर पर श्रीलंका, थाईलैंड, जापान, कम्बोडिया और चीन सहित विभिन्न देशों के हजारों बौद्ध भिक्षुओं और भारी संख्या में स्थानीय जनता ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

****